हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

10 केएमपी एक्सप्रेस-वे पर धुंध और रफ्तार का...

11 बड़ी आबादी को सीवरेज समस्या का होगा समाधान

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

संकल्प से समाधान तक

THE TIMES OF INDIA
Awarded with Times School Survey award 2025-26

बारहवीं में पढ़ते-पढ़ते बने पायलट और सेना में अफ़सर ।

- SSB Training by Retried Officers
- Personality Development Classes
- Weekly Mock / NDA Exam Blueprint
- Hindi & English Teaching Medium
- Exposure of Largest G.T.O Ground
- Ultra Modern Hostel & E- Library

Rakshit
S/o Vikas Sharma
Jhajjar

Rounak
S/o Sandeep Kr.
Jhajjar

ADMISSIONS OPEN FOR SESSION : 2026-27

IIT-JEE Selections

- 99.98 %ile — Shubham S/o Kailash, Dubaldhan — Selection in IIIT Bhopal
- 98.7 %ile Maths — Shubham S/o Ranbir, Kheri Khummmar — Selection in IIIT Bhopal
- 98.59 %ile Maths — Tanishk S/o Naresh, Charkhi Dadri — Selection in IIT Rurkee
- 98.54 %ile Physics — Samir S/o Dharambir, Hansi, Hisar — Selection in NIT Delhi
- 98.32 %ile Maths — Sushant S/o Deepak, Vill - Rewari Khera
- 97.7 %ile Chemistry — Lavanya D/o Jitender, Jhajjar
- 96.12 %ile Maths — Parikshit S/o Shiv, Jhajjar
- 95.71 %ile Maths — Muskan D/o Govind, Vill - Koelpur
- 95.1 %ile Physics — Arpit S/o Amarjeet, Vill - Baghpur
- 93.2 %ile Chemistry — Takshika D/o Vijay, Vill - Kabulpur
- 92.71 %ile Maths — Payal D/o Narender, Vill - Dubaldhan
- 92.98 %ile Chemistry — Anuj S/o Sunil Kumar, Baghpur

NEET Selections

- Tanishk S/o Naresh, Charkhi Dadri — Selection in L. Hardinge Medical College, Delhi
- Samir S/o Dharambir, Hansi, Hisar — Selection in Medical College, Faridabad
- Tamanna D/o Mr. Bijender, Village - Bhadana — Selection in PGIMS, Rohtak
- Shubham S/o Kailash, Vill : Dubladhan
- Vibhoo D/o Sanjeev, Jhajjar
- Vedika D/o Tarun, Jhajjar
- Lavanya D/o Jitender, Jhajjar
- Jyoti D/o Vedprakash, Dujana
- Hunny D/o Ramesh, Imlota
- Komal D/o Dalbir, Jhajjar
- Nidhi D/o Parambir, Silana
- Yogita D/o Surender, Jhajjar

NDA Qualifiers

- Ishita D/o Pawan Gupta, Jhajjar
- Vaibhav S/o Amit, Jhajjar
- Disha D/o Sudhir, Vill : Koyalpur
- Chirag S/o Rambir, Vill : Chimni
- Lekhdeep S/o Hardeep, Vill : Rewari Khera
- Daivik S/o Yogesh, Jhajjar
- Rahul S/o Jitender, Beri
- Lakshay S/o Ajay, Silana
- Rakshit S/o Vikas, Jhajjar
- Yash S/o Jagbir, Beri
- Sakshi D/o Naveen, Barhana
- Muskan D/o Govind, Koelpur
- Parikshit S/o Shiv, Jhajjar
- Aman S/o Jai Singh, Birohar
- Jivesh S/o Sonu, Bhaproda
- Dinesh S/o Sanjay, Bhaproda
- Shubham S/o Manoj, Mangawas
- Sahil S/o Sandeep, Siwana
- Akshay S/o Ramavtar, Jhajjar
- Sahil S/o Vijay, Bahadurgarh
- Jaikumar S/o Pawan, Marout
- Anuj S/o Vikash, Jhajjar
- Shubham S/o Ranbir, Kheri Khummar
- Shubham S/o Kailash, Dubaldhan

Class - XII Board Result

98.2% — COMMERCE TOPPER — YASHIKA D/o RAJEEV, JHAJJAR

Above 95% - 13 Students
Above 90% - 30 Students
Above 80% =119 Students

- 97.8% — ART TOPPER — PRACHI D/o SANDEEP, BERI
- 97.2% — SCIENCE TOPPER — LAVANYA D/o JITENDER, BERI
- 97.2% — SCIENCE TOPPER — YOGEETA D/o SURENDER, JHAJJAR
- 96.2% — PRACHI D/o SOMBIR, GIRAWAR
- 96.2% — SRISHTI D/o AJAY, JHAJJAR

Class - X Board Result

97.4% — BHAVYA D/o SACHIN, BERI

Above 95% - 17 Students
Above 90% - 41 Students
Above 80% =107Students

- 97.2% — PARI D/o UTTAM, GOCHHI
- 97.2% — HARSHIT S/o VIVEK, BERI
- 96.8% — PARTH S/o SANDEEP, BERI
- 96.4% — BHAVYA D/o PARVEEN, JHAJJAR
- 96.2% — KUNJAN D/o NEERAJ, DULHERA

HOSTEL
Separate Hostel Facilities for Boys and Girls

India's Most Trusted School
for Integrated Classroom Programme for Selection in IIT-JEE, NEET, NDA, MNS, SSC,CUET,CLAT, CA, CS, ICMAI

CLAT Qualifiers

- Yashika D/o Kuldeep, Jhajjar
- Ashmita D/o Depender, Beri
- Vinay S/o Vijay, Mehrana
- Nitu D/o Ghanshyam, Jhajjar
- Tanisha D/o Vinod, Marout
- Komal D/o Anil, Mehrana
- Diksha D/o Harish, Gurugram

CA/CS Qualifiers

- Priya D/o Sunil, Jhajjar
- Nisha D/o Surender, Matainhail
- Harsh S/o Sombeer, Achhej
- Jiya D/o Iqbal, Madana
- Yashika D/o Rajiv, Jhajjar
- Ishika D/o Mahipal, Palra
- Ankita D/o Akhilesh, Jhajjar

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62 | **PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02**
NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar (Haryana) | NH.352, Pataua, Near Kulana, Jhajjar (Haryana)

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बहादुरगढ़। नेशनल हाइवे पर रोहद के निकट कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान कृष्ण के रूप में हुई है। कृष्ण गांव तलाव का रहने वाला था। रोहद में स्थित एक कंपनी में काम करता था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की देर शाम को छुट्टी के बाद बाइक पर सवार होकर घर के लिए निकल दिया।

युवा इनेलो का जिला स्तरीय सम्मेलन कल

बहादुरगढ़। बेरी के खेल स्टेडियम में 19 जनवरी को इनेलो जिलास्तरीय युवा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। युवा इनेलो हलका अध्यक्ष अंकित भारद्वाज ने बताया कि इसमें इनेलो युवा विंग के राष्ट्रीय प्रभारी कर्ण सिंह चौटाला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में पहुंचने के लिए सोमवार को सुबह 10 बजे युवा कार्यकर्ता दिल्ली-रोहतक रोड स्थित इनेलो कार्यालय पर एकत्र होंगे और युवा सम्मेलन प्रभारी भूपेंद्र नफे सिंह राठी की अगुवाई में बेरी के लिए रवाना होंगे।

नेहरू कॉलेज में जूट उत्पाद पर कार्यशाला

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित जूट उत्पादों की सिलाई से संबंधित कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। दूसरे दिन सार्थक स्वयं सहायता ग्रुप की प्रधान गोमती कौशिक ने छात्राओं को फाइल कवर, लंच बॉक्स, बटुआ, बैग, पेंसिल बॉक्स जैसे उत्पाद बनाने के हुनर सिखाए। प्राध्यापक डॉक्टर सुरेंद्र कुमार पूनिया ने कहा कि महिलाओं के कौशल विकास एवं आर्थिक सशक्तिकरण में इस प्रकार की कार्यशालाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर प्रियंका ने बताया कि यह कार्यशाला छात्राओं के कौशल विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना एवं उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना रहा।

अभिभावकों ने ली बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में प्री एनुअल एग्जाम को लेकर प्री-नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए पीटीएम का आयोजन किया गया। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि अभिभावकों ने शिक्षकों से मिलकर बच्चों के परीक्षा परिणामों संबंधी रिपोर्ट ली। प्रबंधक केएम डागर ने अभिभावकों को से कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस प्रकार की बैठकों का होना आवश्यक है। स्कूल डायरेक्टर जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया व भविष्य दहिया ने अभिभावकों का आभार जताया।

चार से अधिक स्थानों पर टकराए कई वाहन, दर्जनभर लोग घायल

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर धुंध और रफ्तार का कहर

कैंटर से टकराई सफारी 9 लोगों को आईं चोटें

बहादुरगढ़। ट्रक की टक्कर से क्षतिग्रस्त कार।

बहादुरगढ़। क्रेन के जरिये वाहन किए जा रहे व्यवस्थित।

बहादुरगढ़। एंबुलेंस में बैठाए जा रहे घायल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर शनिवार की अल सुबह कोहरे और रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां कई जगहों पर दर्जनभर से अधिक गाड़ियां टकरा गईं। जिसमें सफारी गाड़ी में सवार 9 लोगों सहित दर्जनभर से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को नागरिक व निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से आधा दर्जन से अधिक घायल पीजीआई रोहतक रेफर किए गए हैं। दुर्घटना के चलते एक्सप्रेस-वे पर जाम की स्थिति के चलते काफी समय तक यातायात प्रभावित हो गया। कई घंटे बाद यातायात सुचारू हो सका।

आसौदा से मांडोठी के बीच एक्सप्रेस वे पर ये हादसे हुए हैं। दरअसल, शनिवार की सुबह कोहरे के कारण दृश्यता कम थी। इस दौरान चार से अधिक जगहों पर गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। सबसे जबरदस्त हादसा मांडोठी के नजदीक हुआ। बताते हैं कि यहां किसी वाहन से टक्कर लगने के बाद सफारी गाड़ी आगे कैंटर में जा घुसी। गाड़ी के बुरी तरह से परखच्चे उड़ गए। इसमें दो बच्चों सहित 9 लोग चोटिल हो गए, जिन्हें मशक्कत के बाद गाड़ी से बाहर निकालकर नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। गाड़ी में डॉ. राजेश व उनकी पत्नी डॉ. मीनाक्षी, पुलिस कर्मी जोगेंद्र, मनजीत, सात वर्षीय बच्ची रिशु पुत्री रवि, डेढ़ वर्षीय आशुतोष, रवि, मंजुला व रोहित आदि सवार बताए गए, हालांकि इनकी पुष्टि बयान के बाद स्पष्ट हो सकेगी। असंध के रहने वाले ये सभी वृंदावन जा रहे थे।

आसौदा में वाहन भिड़े दो लोग घायल

वहीं कुछ ही दूरी पर हादसे में ट्रक चालक सोनू व हेल्पर आदित्य घायल हो गए। ये करनाल से बिलासपुर जा रहे थे। आसौदा ले बाई पर भी कई वाहन भिड़े। गनीमत रही कि इन हादसों में किसी की जान नहीं गई लेकिन वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर राहत कार्य में जुटे पेट्रोलिंग टीम के सदस्य सोनू ने बताया कि धुंध के कारण कुंडली से पंचगांव तक बेहद हादसे हुए हैं, जिनमें 30 से अधिक वाहन आपस में भिड़े हैं और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। केएमपी आसौदा थाना प्रभारी नरेश सिंधु ने कहा कि सुबह चार बजे के बाद ये हादसे हुए हैं। रफ्तार और धुंध हादसे की वजह रही। हमारे क्षेत्र में दर्जनभर से अधिक लोग चोटिल हुए हैं। मामले में जांच की जा रही है। घायलों के बयान के आधार पर कार्रवाई होगी।

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल।

दुल्हन ने शादी के सात दिन बाद नशा देकर लूटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

आसौदा थाना क्षेत्र से लुटेरी दुल्हन का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शादी के सिर्फ सात दिन बाद ही नवविवाहिता ने ऐसा खेल खेला कि पूरा परिवार सकते में आ गया। महिला ने दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पति, सास व ननद को बेहोश कर दिया।

फिर घर में रखी नकदी, आभूषण व अन्य कीमती सामान लेकर चंपत हो गई। जानकारी के अनुसार, खरहर के गांव निवासी दीपक की शादी 9 जनवरी को सुल्तानपुरी (दिल्ली) की निवासी एक लड़की से हुई थी। शादी के शुरुआती एक सप्ताह तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि दुल्हन के मन में खतरनाक योजना चल रही है। शुक्रवार रात को मौका मिलते ही महिला ने वारदात को अंजाम दिया। उसने पति दीपक, सास सुनीता और ननद महक के दूध में नींद की गोलियां मिला दीं।

नकदी और जेवरात पर किया हाथ साफ

दूध पीते ही तीनों बेसुध हो गए। इसके बाद दुल्हन घर में रखे नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य जरूरी सामान समेटकर फरार हो गई। शनिवार सुबह करीब छह बजे दीपक को हल्का होश आया। किसी तरह उसने खुद को संभालते हुए अन्य परिजनों को जगाया। घर का मंजर देखकर सभी के होश उड़ गए। नकदी, आभूषण, कपड़े सहित कुछ अन्य सामान गायब था। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दी गई और तीनों को बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई। देर शाम तक पीड़ित परिवार पूरी तरह से होश में नहीं था। आधी रात के बाद यह वारदात की गई है। गांव के एक कैमरे में महिला बैग लेकर जाती नजर आई है। नकदी, आभूषणों की सही स्थिति बयान के बाद स्पष्ट हो सकेगी। इस संबंध में आसौदा थाना पुलिस का कहना है कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है, हालांकि अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल सीमा पर गोदारा के साथ दौड़े दीपक

बहादुरगढ़। मंच पर डॉ. सुनीता गोदारा के साथ दीपक, डॉ. किरण व ब्रह्मप्रकाश।

बहादुरगढ़। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं हेल्थ फिटनेस ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में भारत–नेपाल सीमा पर फिटनेस रन आयोजित की गई। बिहार के चंपारण में रक्सौल लैंड पोर्ट जीरो लाइन पर संपन्न हुए पैन इंडिया प्रोजेक्ट का नेतृत्व 1992 की एशियन मैराथन चैंपियन ने डॉ. सुनीता गोदारा ने किया। इस फिटनेस रन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप की ओर से दीपक छिल्लर, डॉ. किरण छिल्लर व ब्रह्मप्रकाश मान ने सक्रिय भागीदारी निभाई। एचपीएआई कर्मचारियों एवं स्टेकहोल्डर्स के लिए 5 किलोमीटर की दौड़ के दौरान मिस इंडिया 2019 डॉ. किरण छिल्लर ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया। दीपक छिल्लर ने अपनी श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि ब्रह्म प्रकाश मान ने प्रथम स्थान हासिल कर बीआरजी का नाम रोशन किया।

शिक्षिकाओं को दी कक्षा प्रबंधन कौशल की जानकारी

समस्या समाधान कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला

झज्जर। कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थी शिक्षिकाओं के साथ उपस्थित प्राचार्या उषा गहलौत।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

किड्ज शैशव, किड्ज शैशव मोंटेसरी विंग और वैदिक गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को शिक्षकों के लिए संचार और समस्या समाधान कौशल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिक्षकों को शिक्षण और कक्षा प्रबंधन कौशल की नवीन तकनीक से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला प्रशिक्षिका नलिनी अस्थाना ने कक्षा प्रबंधन कौशल के महत्व व उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के बदलते कॉर्पोरेट परिदृश्य में केवल किताबी ज्ञान ही काफी नहीं है। वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए क्रिटिकल थिंकिंग, निर्णय लेने की क्षमता और अपनी बात को स्पष्टता से रखने के कौशल की बहुत आवश्यकता है। कार्यशाला में अध्यापिकाओं को ग्रुप डिस्कशन, रोल प्ले और केस स्टडीज के माध्यम से भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षिका ने बताया कि कैसे तनावपूर्ण परिस्थितियों में शांत रहकर सटीक संचार के जरिए समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। इस दौरान प्राचार्या उषा गहलौत ने शिक्षिकाओं को अपने शिक्षण और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिक्षिकाओं से आशा जताई कि इस कार्यशाला में लिए गए विशेष प्रशिक्षण उपरांत वे अपने शिक्षण कौशल में सकारात्मक

पदक विजेता परी का अभिनंदन

बहादुरगढ़। सोनीपत जिले के मुरथल में हुई हरियाणा स्टेट वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के सब जूनियर वर्ग में ब्रांज मेडल जीतने वाली खिलाड़ी परी का उसके गांव कानोंदा में जोरदार अभिनंदन किया गया। ग्रामीणों ने उसको जीत की बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्राम सरपंच विक्की, पंच मोनू, सुरेंद्र के अलावा कोच धर्मेंद्र समेत परिवार के सदस्यों दादी संतोष देवी, पिता संदीप, माता मधुबाला व ग्रामीणों ने जोरदार सम्मान किया। बहादुरगढ़ के एक निजी स्कूल में कक्षा 9वीं में पढ़ने वाली छात्रा परी बेहद होनहार खिलाड़ी है। लगातार मेडल जीत रही है। परी के पिता संदीप ने बताया कि वह खेतीबाड़ी करते हैं और मां गृहणी है। बेटी का वेटलिफ्टिंग खेलों के प्रति शुरू से ही क्रेज रहा है। दादी संतोष देवी ने कहा कि उनकी पौत्री परी प्रतिभाशाला खिलाड़ी है। आगामी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपने गांव व क्षेत्र का नाम रोशन जरूर करेगी।

सूर्य नमस्कार संपूर्ण योग अभ्यास

झज्जर। सूर्य नमस्कार का अभ्यास करते पुलिसकर्मी।

झज्जर। शनिवार को पुलिस लाइन मैदान में आयुष्मान विभाग की ओर से आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के दौरान योगाचार्य बलदेव ने पुलिस कर्मियों को सूर्य नमस्कार के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार एक संपूर्ण योग अभ्यास है, जिसमें 12 योग आसनों का समावेश होता है और यह शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में सहायक है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों की ड्यूटी अत्यंत तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में सूर्य नमस्कार उन्हें शारीरिक रूप से मजबूत रखने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी शांत और संतुलित बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। नियमित अभ्यास से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, सहनशक्ति बढ़ती है और दिनभर की थकान दूर होती है। यह अभ्यास हृदय स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुधरता है, हार्ट रेट नियंत्रित रहती है। इस दौरान लाइन अफसर निरीक्षक विजेंद्र सिंह ने योग करवाने के लिए आई टीम का पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़ मामले में जांच करने पहुंचे आईजी

■ होटल और वारदात स्थान का किया दौर, घायल एएसआई का जाना हाल

झज्जर। घायल पुलिस कर्मी का हालचाल पूछकर अस्पताल से निकलते आईजी सिमरदीप सिंह।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

वीरवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच दो स्थानों पर हुई मुठभेड़ में पुलिसकर्मी ओर बदमाश के घायल होने मामले की जांच करने लिए शनिवार को रोहतक रेंज आईजी सिमरदीप सिंह, रोहतक एसपी सुरेंद्र भौरिया के साथ झज्जर पहुंचे। यहां उन्होंने होटल और वारदात स्थल का दौरा करते हुए जानकारी ली। बाद में आईजी ने निजी अस्पताल पहुंचकर घायल एएसआई का भी हालचाल जाना। हालांकि इस दौरान आईजी ने मीडिया से दूरी बनाई रखी। **आखिर क्या है मामला:** बता दें कि वीरवार देर रात अवैध हथियार की सूचना पर एसटीएफ की टीम द्वारा जब संदिग्ध युवाओं की गाड़ी को रूकवाया तो गाड़ी सवार एक युवक ने फायर कर दिया और मौके से फरार हो गए थे। गोली एएसआई प्रवीण कुमार को लगी थी। बाद में बेरी क्षेत्र में सीआईए की टीम और आरोपी बदमाशों की मुठभेड़ हो गई थी। जिसमें मुख्य आरोपी पंकज के पांव में गोली लगी थी और उसके दो साथियों नितेश और रोहित को भी पकड़ लिया गया था। उधर, आरोपी युवक के परिजनों ने मुठभेड़ को फर्जी बताया था।

रोहद में कार की टक्कर से अधेड़ की मौत, चालक के खिलाफ केस

बहादुरगढ़। गांव रोहद में कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस संबंध में कार चालक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। मृतक की पहचान करीब 50 वर्षीय देवी सिंह के रूप में हुई है। वह गांव समचाना का रहने वाला था। उसकी पत्नी शीला रोहद में किसी कंपनी में काम करती है। शुक्रवार को वह पत्नी को दस्तावेज देने के लिए रोहद में आया था। इसके बाद वापस जाने के लिए सड़क किनारे सवारी वाहन का इंतजार करने लगा।

पीजीआई में इलाज के दौरान शुक्रवार रात को देवी सिंह दम तोड़ दिया

आरोप है कि इसी दौरान बहादुरगढ़ की तरफ से तेज रफ्तार में आई वैगनआर कार ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही उसका सिर व चेहरा सड़क पर जा लगा। उसे गंभीर चोट आई। भीड़भाड़ हुई तो आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। इसके बाद घायल को बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। पीजीआई में ईलाज के दौरान रात को उसने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस पीजीआई गई और परिजनों के बयान लिए। देवी सिंह की पत्नी शीला के बयान पर पुलिस ने वैगनआर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

आसंडा के सरकारी स्कूल में चोरी की वारदात

बहादुरगढ़। इलाके में सरकारी स्कूल चोरों के निशाने पर हैं। अब यहां आसंडा गांव में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में चोरी की वारदात हो गई। दरअसल, शीतकालीन अवकाश के चलते स्कूल बंद था। इसी का फायदा चोरों ने उठाया और वारदात कर गए। पुलिस को दी शिकायत में रोहतक के निवासी नारायण सिंह का कहना है कि वह विद्यालय में गणित विषय के अध्यापक हैं। सर्दियों के अवकाश के चलते कई दिनों से स्कूल बंद है। शुक्रवार को स्कूल में आए तो वारदात का पता चला। अंदर कक्ष का ताला टूटा हुआ था। जांच करने पर कंप्यूटर, हार्ड डिस्ट, 16 बैट्रियां नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अध्यापक नारायण सिंह की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि जिले में अधिकांश सरकारी स्कूलों में रात के समय सुरक्षा के इंतजाम नहीं है।

भापड़ोदा में झगड़े के दौरान चली गोलियां, दो युवक को पैर में लगी

■ सरपंच प्रतिनिधि के गनमैन पर केस दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

बहादुरगढ़। गांव भापड़ोदा में शुक्रवार रात को झगड़े के दौरान गोलियां चल गईं। दो युवकों के पांव में गोलियां लगी हैं। वे पीजीआई रोहतक में उपचारधीन हैं। सरपंच प्रतिनिधि के गनमैन पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने का आरोप है। मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में रोहतक जिले के गांव घिलौड़ कलां के निवासी सतेंद्र ने कहा है कि भापड़ोदा के सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद के साथ उसकी दोस्ती है। वह शुक्रवार को प्रमोद के आफिस में आया हुआ था। ऑफिस में दलजीत, मासूम, सागर, गौरव व प्रमोद का गनमैन संदीप बैठे थे। हमने वहां शराब पी। इस दौरान संदीप व दलजीत उर्फ कालू का झगड़ा हो गया। मैंने व सागर निवासी भापड़ोदा ने संदीप को पकड़ लिया और कमरे में बंद कर दिया। वह हमें भी गालियां देने लगा। जब हम दोनों गेट के सामने खड़े थे तो उसने जान से मारने की नीयत से अपनी रिवाल्वार से तीन गोलियां चला दी। जिनमें से एक गोली मेरे पांव तो दूसरी गोली सागर के पांव में लगी। जब वारदात हुई तो सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद आफिस में नहीं था। साथियों ने हम दोनों को संभाला और पीजीआई रोहतक ले गए। वहीं, सूचना पाकर मांडोठी चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मांडोठी पुलिस का कहना है कि घायल सतेंद्र के बयान पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

विधायक ने आसौदा में किया जनसंपर्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने शनिवार को गांव आसौदा सिवान व आसौदा टोडरान में जनसंपर्क अभियान चलाया। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत उपरांत स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। जनसंपर्क के दौरान विधायक राजेश जून ने कहा कि बीते एक वर्ष में बहादुरगढ़ विधानसभा के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों ने तेज गति पकड़ी है। जनसंपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल किए गए विकास कार्यों की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करना भी है।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक राजेश जून।

13 मांगें सामने आईं: विधायक ने बताया कि आसौदा सिवान में सड़क निर्माण, पेयजल पाइपलाइन बदलने, नहर की सफाई सहित कुल 13 मांग सामने आई हैं। उन्होंने विकास का लिए इनमें से 6 मांगों पर लगभग 30 लाख रुपये का बजट देने को घोषणा की। ग्रामीणों की 6 मांग विधायक कोटे से पूरी की जाएगी। वहीं आसौदा टोडरान में ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष बिजली लाइन बदलने, पेयजल पाइपलाइन सुधार, सड़क चौड़ीकरण के अनुरूप पुलियों के विस्तार, बच्चों के लिए लाइब्रेरी निर्माण सहित अन्य मांगें रखीं। विधायक ने आश्वस्त किया कि इन सभी मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। आसौदा टोडरान में लगभग 50 लाख की लागत से विकास कार्य कराए जाएंगे।

जिले भर में दो लाख पांच हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं और 55 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बिजाई

बढ़ती ठंड गेहूं और सरसों की फसलों के लिए लाभदायक, हल्की सिंचाई की सलाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

तापमान में हो रही निरंतर गिरावट गेहूं और सरसों दोनों की फसलों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार ठंड बढ़ने से फसलों की बढ़वार बेहतर होती है और उत्पादन में वृद्धि की संभावना रहती है। डीडीए जितेंद्र अहलावत ने किसानों को सलाह दी है कि वे इस मौसम में फसलों में हल्की-हल्की सिंचाई करें। विशेषकर गेहूं की फसल में पहली सिंचाई सही समय पर करना बहुत

जरूरी है। उन्होंने कहा कि फिलवक्त अगर बारिश होती है तो वह किसानों के लिए और अधिक फायदेमंद होगी। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में कीटों और रोगों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम रहता है। जिससे फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि जिले भर में लगभग 55 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों और करीब 2 लाख 5 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की गई है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे समय-समय पर फसलों की निगरानी करें, संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें। वहीं किसान सतीश सैनी, पुरूषोतम गुलिया, कृपाल सिंह ने बताया कि गेहूं और सरसों दोनों ही फसलों के लिए मौसम अनुकूल है। अगर इस दौरान बारिश होती है तो किसानों के एक पानी की बचत होगी।

बागवानी योजनाओं की समीक्षा

झज्जर। हरियाणा राज्य बागवानी विकास एजेंसी पंचकूला के मिशन निदेशक डॉक्टर जोगेंद्र सिंह ने जिले का दौरा करते हुए विभागीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय व्यवस्थाओं के साथ-साथ फील्ड स्तर पर क्रियान्वित की जा रही बागवानी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दौरे का प्रमुख उद्देश्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का वास्तविक आंकलन करना, किसानों से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निवारण सुनिश्चित करना तथा किसानों से प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त कर योजनाओं को और अधिक जन-उपयोगी बनाना है। उन्होंने जिला एवं खंड स्तर के अधिकारियों को आधुनिक बागवानी तकनीकों को अपनाने, उच्च बागवानी प्रथाओं को प्रोत्साहित करने तथा किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने के निर्देश दिए।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक निर्देश देते बागवानी विभाग के मिशन निदेशक।

खबर संक्षेप

प्रश्नोत्तरी व भाषण में प्रथम रही सीजल

बहादुरगढ़। बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में शनिवार को सरस्वती महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिता हुई। कार्यकारी प्राचार्या डॉ. सुदेश राठी जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई दोनों ही श्रेणियों में 20–20 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीजल, द्वितीय स्थान मेघा और तृतीय स्थान रश्मि ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीजल, द्वितीय स्थान चेतना और तृतीय स्थान मुस्कान ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. ललिता, डॉ. मंजू छिकारा, तंवीर बेगम, रामेंद्र हुड्डा, डॉ. सुशीला तथा रेखा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज की सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में ज्ञान, अभिव्यक्ति क्षमता एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना रहा।

विधायक राजेश जून ने नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

बड़ी आबादी की सीवरेज समस्या का होगा समाधान

- छोटूराम नगर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का होगा विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

विधानसभा सत्र में विधायक ने रखीं 12 प्रमुख समस्याएं

बहादुरगढ़। एसटीपी के विस्तार कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

छोटूराम नगर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का करीब 23 करोड़ रुपए की लागत से विस्तार किया जाएगा। इससे वार्ड नंबर 1 से 11 एवं वार्ड 18 की सीवरेज समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। जिससे बहादुरगढ़ की बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। एसटीपी के विस्तार कार्य का शुभारंभ शनिवार को विधायक राजेश जून ने नारियल फोड़कर किया। छोटूराम नगर के नागरिकों ने विधायक राजेश जून का जोरदार स्वागत किया। राजेश जून ने कहा कि विधायक बनने के बाद उन्होंने विधानसभा सत्र में बहादुरगढ़ की 12 प्रमुख समस्याओं को रखा था, जिनमें लाइनपार व शहरी क्षेत्र की गंभीर सीवरेज समस्या भी थी। सीएम नायब सैनी ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए एसटीपी के विस्तार को मंजूरी दी और सीवर सफाई के लिए अत्याधुनिक सुपर सकर मशीन भी तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। पहले एक सुपर सकर मशीन किराए पर उपलब्ध कराई गई थी, जिसकी सेवाएं आज भी जारी हैं। वहीं सरकार ने 10 करोड़ रुपए की लागत से स्थाई सुपर सकर मशीन भी खरीदने के निर्देश दे दिए थे। इससे जहां-जहां सीवर ओवरफ्लो की समस्या आती है, वहां त्वरित सफाई सुनिश्चित होगी।

विधायक राजेश जून ने कहा कि छोटूराम नगर एसटीपी के विस्तार के बाद वार्ड 1 से 11 और 18 में रहने वाले नागरिकों को अब सीवरेज से जुड़ी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह परियोजना बहादुरगढ़ के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बहादुरगढ़ विधानसभा के विकास को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस मौके पर हरिमोहन धाकरे, युवराज छिल्लर, सुखबीर फौजी, कुक्कू, जगबीर दलाल व लोकेश खरब आदि उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय दूबलधन में एड्स मुक्त हस्ताक्षर अभियान चलाया

शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों को किया एड्स के प्रति जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। शिविर के दौरान उपस्थित स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय स्टॉफ सदस्य।

राजकीय महाविद्यालय दूबलधन में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में एड्स मुक्त हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों को एड्स के प्रति जागरूक करना तथा समाज में इसके प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर अमित कुमार, डॉक्टर रणदीप एवं डॉक्टर सरला ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर डॉक्टर वर्षा मेडिकल ऑफिसर, सिविल अस्पताल दूबलधन ने स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए एड्स के कारण, लक्षण, बचाव के उपायों एवं समय पर जांच व उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने सुरक्षित व्यवहार अपनाने और जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने एड्स मुक्त समाज के संकल्प के साथ हस्ताक्षर कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम में डॉक्टर आशीष, डॉक्टर सुमन गौड़ सहित सहित स्टॉफ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

अवैध रूप से चल रही मीट की दुकानों को बंद कराने की मांग

झज्जर। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में शनिवार को शहर के प्रबुद्धजनों की बैठक डॉक्टर सुनीता धनखड़ की अध्यक्षता में की गई। बैठक में नगर में बढ़ते अतिक्रमण पर चिंताई जताई। इसके अलावा अवैध रूप से शहर में चल रही मीट की दुकानों को बंद कराने को लेकर जिला प्रशासन व नगर परिषद से मिलकर कार्रवाई कराए जाने की योजना भी बनाई गई। बैठक में व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंघल, गौसेवा आयोग के सदस्य प्रमोद बंसल, सुशीला राठी, आढ़ती चांद सिंह बोड़िया व मंजीत गोदारा आदि ने अपने विचारों में कहा कि बड़ी संख्या में बाहर के लोग आ रहे हैं और सब्जी मंडी के अलावा शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर रेहड़ियां आदि लगाकर अतिक्रमण कर रहे हैं। बैठक में अवैध रूप से शहर व जिले के गांवों में रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या की पहचान कर उन्हें निकाले जाने को लेकर भी चर्चा की गई। प्रबुद्धजनों ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र ही नगर परिषद व प्रशासनिक अधिकारियों से मिलने का निर्णय लिया। इस मौके पर वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी देवेंद्र सैन, राजवीर शर्मा, मनमोहन खंडेलवाल, सतवीर सिंह दलाल, डॉक्टर जगदीश धनखड, सुधीर सिलाना, मोहन भारद्वाज, सतबीर गुलिया सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शिक्षक विद्यार्थियों के नियमित मूल्यांकन तथा रेमेडियल कक्षाओं पर ध्यान दें: अनिल

- निपुण मिशन के लक्ष्यों को सशक्त बनाने को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। बैठक में उपस्थित डाइट फैकल्टी सदस्य।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान माछरौली में प्राचार्य अनिल श्योराण की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। शिक्षकों को शैक्षणिक सहायता प्रदान करने तथा निपुण मिशन के लक्ष्यों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में प्राचार्य ने कहा कि डाइट का प्राथमिक दायित्व शिक्षकों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि हमें इस कर्त्तव्य का ईमानदारी व सटीकता के साथ निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने फैकल्टी सदस्यों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक सुधार के लिए नियमित मूल्यांकन तथा रेमेडियल कक्षाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

सेंसस असेसमेंट के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करें

प्राचार्य अनिल श्योराण ने कहा कि निपुण योग्यताओं में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो तो पहली से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों की फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी कक्षा दक्षताएं प्राप्त किए बिना अगली कक्षा में जाते हैं, तो यह दीर्घकालिक शैक्षिक हानि का कारण बनता है। डाइट फैकल्टी को शिक्षण प्रक्रिया का केंद्र बनना होगा, जहां नवाचारी शिक्षण विधियां अपनाई जाएं तथा शिक्षकों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाए। वहीं जिला निपुण समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने सेंसस असेसमेंट 2.0 के परिणामों पर विस्तृत चर्चा की। सेंसस 2.0 में पाई गई कमजोर दक्षताओं जैसे पढ़ने की गति तथा गणित में दो अंकों के जमा और घटा पर तत्काल ध्यान दिया जाए। उन्होंने फैकल्टी सदस्यों से किसी विद्यालय में मॉनिटरिंग से पूर्व सेंसस असेसमेंट के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा मेगा मॉनिटरिंग के दौरान चेकलिस्ट का उपयोग करने बारे भी विस्तार से जानकारी दी गई।

बच्चों को जंक फूड का सेवन न करने के लिए किया प्रेरित

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय दुजाना में चल रही योग कार्यशाला शनिवार को संपन्न हो गई। कार्यशाला के अंतिम दिन योगाचार्य सतेंद्र ने छात्राओं को घुटने व कमर दर्द के निवारण के लिए विभिन्न योग विधाओं से अवगत कराते हुए उनका अभ्यास कराया। उन्होंने छात्राओं को फास्ट फूड व जंक फूड से शरीर पर होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए उन्हें जंक फूड का सेवन न करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी को नियमित योग करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म के समय होने वाली पीड़ा से मुक्ति पाने संबंधी योगासनों व आयुर्वेदिक औषधियों की जानकारी भी दी। कार्यशाला का समापन भगवान शिव के महा मृत्युंजय मंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। इस मौके पर प्राचार्य राजेश ने भी छात्राओं से आह्वान किया कि कार्यशाला में सीखे गए योगासनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

हिमांशु और देवव्रत की टीम प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रदर्शनी में मॉडलों का अवलोकन करते अतिथि व विद्यार्थी।

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को कार्यकारी प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल के दिशानिर्देशन में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कॉलेज के भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं भूगोल विषय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने सहभागिता की। सभी विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

दूबलधन राजकीय महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. कुलदीप दलाल ने प्रदर्शनी में निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यकारी प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल व डॉ. संजय देसवाल ने उनका स्वागत किया। भूगोल विषय में हिमांशु एवं देवव्रत की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान निष्ठा एवं अंकुश तथा तृतीय स्थान भावना एवं कीर्ति की टीम ने हासिल किया। भौतिकी विषय में चेतना एवं नीतू ने प्रथम, भूपनेश एवं देवांश ने द्वितीय तथा वर्षा एवं तन्नू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रसायन विज्ञान विषय में गुंजन एवं मुस्कान की टीम प्रथम, यमन एवं मॉनित द्वितीय तथा प्रीति एवं मेघना की टीम तृतीय स्थान पर रही। भूगोल के प्राध्यापक डॉ संजय देसवाल, फिजिक्स के प्राध्यापक डॉ मनोज मलिक, केमिस्ट्री के प्राध्यापक डॉ गोबिंद की देखरेख में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में मंजू मलिक, देवेंद्र, डॉ. अश्वनी कुमार, मोनिका, ज्योति, मोहित, विजय, डॉ. जयंत व डॉ. मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा की जीत में दीनू जून ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

बहादुरगढ़। माउंट व्यू स्कूल के छात्र दीनू जून ने एसजीएफआई अंडर-17 राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला पंजाब बनाम हरियाणा के बीच खेला गया, जिसमें हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। दरअसल, फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा। पेनल्टी शूटआउट में हरियाणा की टीम ने पंजाब की 3 किक्स को सफलतापूर्वक डिफेंड किया, जबकि पंजाब की टीम हरियाणा की केवल 2 किक्स ही डिफेंड कर सकी। इसी के साथ हरियाणा ने यह मुकाबला जीत लिया और राष्ट्रीय स्तर पर विजय प्राप्त की। कोच रविंद्र जून के मार्गदर्शन में खूब मेहनत और प्रशिक्षण के बलबूते दीनू ने यह मुकाम हासिल किया। स्कूल निदेशक देवेंद्र लाठर ने दीनू के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र छिल्लर ने भी दीनू को बधाई देते हुए कहा कि माउंट व्यू स्कूल के साथ ही पूरे झज्जर जिले के लिए यह गर्व का क्षण है।

श्मशान में गीली लकड़ियों से बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के लाइनपार स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए उपलब्ध करवाई जा रही गीली लकड़ियों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल ही में कई मामलों में परिजनों ने आरोप लगाया कि श्मशान में उपलब्ध लकड़ियां गीली होने के कारण चिता ठीक से नहीं जली, जिससे अंतिम संस्कार में अनावश्यक देरी हुई और भावनात्मक रूप से टूटे परिजनों को अधिक कष्ट सहना पड़ा।

श्मशान घाट जैसी मूलभूत और संवेदनशील जगह पर अव्यवस्थाएं प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। कुछ लोगों ने एक प्रवासी व्यक्ति के शव की अंत्येष्टि की। दाह-संस्कार की औपचारिकता निभाने के पश्चात वे लोग चिता को अधजली अवस्था में छोड़कर चले गए। क्योंकि श्मशान प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराई गई लकड़ियां अत्यंत गीली थीं। जिस कारण बार-बार प्रयास करने पर भी अग्नि प्रज्वलित नहीं हुई। अंत्येष्टि में मौजूद सभी प्रयास व्यर्थ सिद्ध हुए। नागरिकों के अनुसार प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में किसी को परेशानी न हो। लोगों का कहना है कि इस दिशा में जल्द ठोस कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि शोकाकुल परिवारों को सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार करने में किसी तरह की दिक्कत न हो।

कानूनगो बनने पर बालोर में ग्रामीणों ने किया सम्मान

बहादुरगढ़। गांव बालोर में करीब 12 साल तक पटवारी के रूप में सेवा देने वाले रमेश कुमार को हाल ही में कानूनगो के पद पर पदोन्नति मिली है। पदोन्नति मिलने पर बालोर गांव की पंचायत और ग्रामीणों ने उनको सम्मानित किया। फूल-मालाओं से लादकर उनका अभिनंदन किया। सरपंच राजेश यादव ने कहा कि रमेश ने पटवारी के पद पर रहते हुए हमेशा पारदर्शिता, निष्ठा और जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता दी। उनकी मेहनत और ईमानदारी के कारण ही वे इस महत्वपूर्ण पद तक पहुंचे हैं।

अज्ञात कारणों से प्रवासी युवक ने फंदा लगा दी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव डावला में एक मुर्गी फार्म पर काम करने वाले प्रवासी श्रमिक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान करीब 23 वर्षीय युवक मोहित कुमार पुत्र सुरेश चंद के तौर पर हुई है। वह मूल रूप से यूपी के पूर्वा उदई गांव का रहने वाला था। वह पिछले तीन-चार वर्षों से यहां मुर्गी फार्म पर कार्यरत था। मामले के जांच अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मोहित कुमार ने सुबह अज्ञात कारणों से फांसी लगा कर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा वहां कार्यरत श्रमिकों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों के पहुंचने पर उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इस संबंध में मृतक के भाई रोहित के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सूचना

मैं, हरदीप पुत्र श्री अनिल कुमार निवासी गांव जसौर खेड़ी, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे आधार कार्ड नंबर-922973571575 में मेरा नाम हरदीप दर्ज है। जबकि मेरी एलआईसी पॉलिसी नंबर-178620160 में मेरा नाम इंग्लिश में हिमांशु दर्ज है। हरदीप और हिमांशु ये दोनों एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम हैं। लेकिन मेरा ठीक नाम हरदीप है। उक्त पॉलिसी में मेरा सही नाम हरदीप दर्ज करते हुए मुझे उक्त पॉलिसी की राशि का भुगतान किया जाए।

सूचना

मैं, देवी शरण शर्मा पुत्र स्व. श्री मुल चन्द शर्मा निवासी मकान नंबर-322, वार्ड नंबर-14, पालिका कालोनी, नजदीक शिव मंदिर चौक, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करता हूं कि मेरा पुत्र ध्रुव उर्फ आकाश मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

NOTICE

I, Meena W/o Parmod Kumar R/o H.No. A-5, 1002, KLJ Height, Sector-15, Teh. Bahadurgarh, Distt. Jhajjar, Haryana declare that I have lost Tatima Deed No. 8687 on 05.01.2026 near KLJ Height, Sector-15, Bahadurgarh.

शुभारंभ | **आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विभाग प्रचारक प्रदीप ने दिया पंच परिवर्तन पर जोर**

नारी सशक्तिकरण की दिशा में सशक्त कदम साबित होगा केंद्र

राजमाता अहिल्याबाई होल्कर सिलाई एवं समर्थ किशोरी विकास केंद्र शुरू

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रोहतक के विभाग प्रचारक ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। केंद्र के शुभारंभ पर हवन कार्यक्रम में शामिल सेवा भारती सदस्य एवं अन्य।

क्षेत्र के गांव बादली में सेवा भारती द्वारा संचालित राजमाता अहिल्याबाई होल्कर सिलाई एवं समर्थ किशोरी विकास केंद्र की शुरूआत की गई है।

केंद्र के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रोहतक के विभाग प्रचारक प्रदीप ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। केंद्र का शुभारंभ विधिवत हवन-यज्ञ, भारत माता की आरती, दीप प्रज्ज्वलन व वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ किया गया। हवन में सामाजिक समरसता प्रमुख हवा सिंह मलिक अपनी धर्मपत्नी अनीता मलिक के साथ मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। विभाग प्रचारक प्रदीप ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ द्वारा प्रतिपादित पांच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्त्तव्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए इन पंच परिवर्तनों की अत्यंत आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सेवा भारती समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का कार्य कर रही है। राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम से स्थापित यह केंद्र नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम है, जहां किशोरियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई प्रशिक्षण के साथ-साथ संस्कार, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक जागरूकता का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान केंद्र की किशोरियों द्वारा जहां हरियाणवीं वेशभूषा में पारंपरित नृत्य की प्रस्तुति दी गई वहीं नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया।

इस मौके पर जिला प्रचारक राहुल, सेवा भारती के जिला सचिव कुलबीर सिंह जून, समर्थ किशोरी की प्रांत सदस्य डॉक्टर ज्योति, पुष्पा, महेश वशिष्ठ, वीरेंद्र कटारिया, संत कुमार, मनोज कुमार, हरिओम, बलराज सिंघल, हरीश कुमार, राकेश कुमार, कविता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शहर में सड़कों के किनारे कूड़ा बिखरा दिखाई नहीं देगा, कलेक्शन के लिए बनाए जा रहे सेकेंडरी प्वाइंट

बहादुरगढ़। नगर परिषद के प्रयास हैं कि अब शहर में सड़कों के किनारे कूड़ा बिखरा हुआ दिखाई नहीं दे। कूड़ा कलेक्शन के लिए सेकेंडरी प्वाइंट बनाए जा रहे हैं। चेयरपर्सन सरोज राठी ने वार्ड नंबर-23 में झज्जर रोड पर करीब 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाले कूड़ा कलेक्शन सेकेंडरी प्वाइंट के निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया। वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, मार्केट कमेटी चेयरमैन विनोद कौशिक व पार्षद प्रतिनिधि संजीव मलिक की मौजूदगी में शिलान्यास हुआ। चेयरपर्सन सरोज राठी के अनुसार पूरे शहर में 6 से 7 सेकेंडरी कूड़ा कलेक्शन प्वाइंट बनाए जाएंगे। इससे न केवल सड़कों पर गंदगी कम होगी, बल्कि समय पर कचरा उठान भी सुनिश्चित होगा। इस मौके पर पार्षद राजेश तंवर, रमेश राठी, सत्यव्रत कादयान, मनमोहित गुप्ता, सन्दीप कुमार, रामकिशन, रामकुमार, जगबीर, चांद सिंह, नरेश, कश्मीर, बलजीत, कर्ण सिंह, दिलदार, रामभज, रमेश, राजेंद्र, प्रवीण, सुरेंद्र, प्रहलाद सिंह, आशीष, जयप्रकाश, राजबीर, संदीप, कृष्ण, जयचंद, विनोद आदि मौजूद रहे।

K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh

Where Curiosity Grows into Confidence
Affiliated to CBSE

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS OPEN

Nursery to Grade IX & XI
(Play Group Also Available)
2026-27

Ranked No. 1

INNOVATORS CATEGORY
BY TIMES SCHOOL SURVEY 2025

Training Minds | Strengthening Bodies | Creating Champions

At K.R. Mangalam World School, education goes beyond classrooms. We nurture strong minds, healthy bodies, and confident individuals through a balanced blend of academics, sports, and values.

Sports-Integrated Learning

- Structured sports routines for discipline & focus
- Yoga & fitness for endurance and flexibility
- Leadership through competitive and team sports
- Time-management and mental conditioning through sports

World-Class Sports Infrastructure

- Football, cricket, basketball & skating arenas
- Indoor facilities for badminton and chess, along with a shooting range
- Safe, supervised training with expert coaches
- On-campus medical support and first-aid facilities for student safety

Holistic Student Development

- Smart classrooms & activity-based learning
- Exposure to state & national level competitions
- Programmes that build confidence and resilience
- Individual attention to nurture every child's unique potential
- Composite skill lab to support practical learning

The KRM Legacy of Excellence

40,000+ Students Studying | 50,000+ Alumni Members | 4,000 Faculty On Board

K.R. Mangalam stands as a trusted name in education. Our seamless admission process, modern infrastructure, and value-driven philosophy empower every learner to excel and lead with purpose.

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com
Sector 2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh, Haryana 124507

9549899503
The School is Open for Admissions on All Days

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow | Indirapuram

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

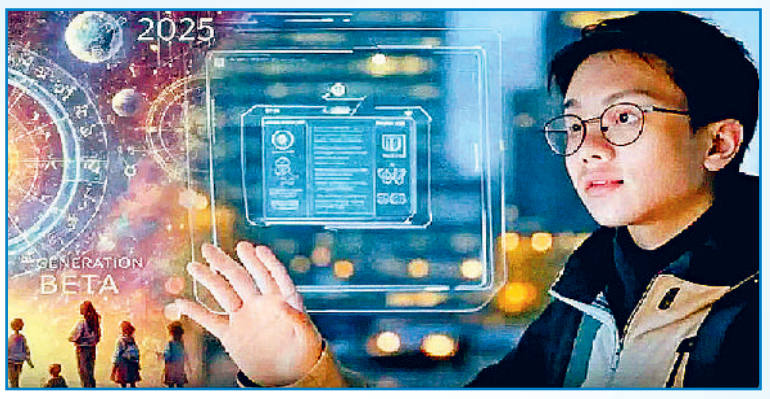

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

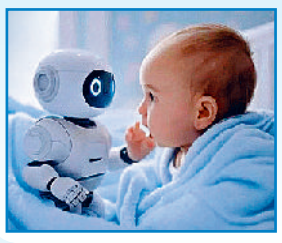

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

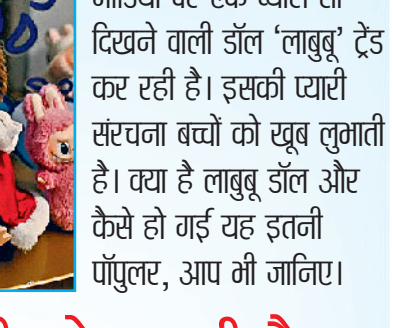
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

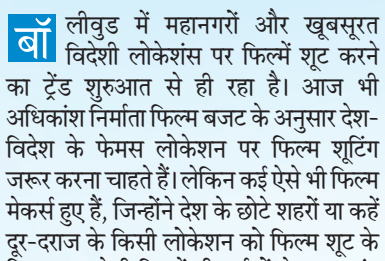
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *